

राजस्थान बनेगा चिकित्सा पर्यटन का केंद्र

चर्चा में क्यों?

हाल ही में राजस्थान सरकार ने अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिये शीघ्र ही 'हील इन राजस्थान' नीति शुरू करके **चिकित्सा पर्यटन** को बढ़ावा देने का निर्णय लिया है।

- यह नीति तैयार करने के लिये एक **मेडिकल वैल्यू ट्रैवल समिति** नियुक्त की गई है, जिसमें विभिन्न विभागों और संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

मुख्य बंदि

- राज्य सरकार के **चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग** ने नीति के लिये सुझाव एकत्र करने के लिये **नजी अस्पतालों, टूर ऑपरेटर्स और अन्य हतिधारकों के साथ सहयोग** किया है।
- इसका मुख्य ध्यान स्वास्थ्य, कायाकल्प और पारंपरिक चिकित्सा आधारित उपचारों पर है, जिसका उद्देश्य जयपुर तथा अन्य शहरों को प्रमुख चिकित्सा पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित करना है।
- राज्य सरकार ने वर्ष 2024 में **बजट** का **8.26%** स्वास्थ्य क्षेत्र के लिये आवंटित किया है।
- इसका उद्देश्य नीतित्त निर्णयों, नविश और रोजगार के अवसरों के सृजन तथा फार्मास्यूटिकल्स एवं आतथिय जैसे संबंधित उद्योगों में विकास के माध्यम से राजस्थान को स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक मॉडल के रूप में स्थापित करना था।
- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग **नविश संवर्द्धन ब्यूरो (BIP)** और **भारतीय उद्योग परसिंघ (CII)** के साथ मिलकर उच्च स्तरीय सुविधाएँ स्थापित करेगा, जिसका उद्देश्य चिकित्सा उपचार के लिये अन्य राज्यों तथा वदिशों से आने वाले रोगियों को आकर्षित करना है।

नोट: नविश संवर्द्धन ब्यूरो (BIP) राजस्थान की एक सरकारी एजेंसी है जो राज्य में नविश और एकल खड्कि मंजूरी को बढ़ावा देती है। BIP का मुख्य लक्ष्य नविशकों का समर्थन करना तथा राजस्थान में नविश को बढ़ावा देना है।

भारतीय उद्योग परसिंघ (CII)

- CII एक **गैर-सरकारी, गैर-लाभकारी**, उद्योग-नेतृत्व वाला और उद्योग-प्रबंधित संगठन है।
- यह सलाहकार और परामर्श प्रक्रियाओं के माध्यम से उद्योग, सरकार तथा नागरिक समाज के साथ साझेदारी करके भारत के विकास के लिये अनुकूल वातावरण बनाने एवं बनाए रखने का कार्य करता है।
- वर्ष 1895 में स्थापित, इसका मुख्यालय **नई दल्लि में है।**